

11 मार्च 2024 : समाचार विश्लेषण

A. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 1 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

B. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

C. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

D. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 4 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

E. संपादकीय:

राज्यवस्था:

1. CEC के साथ 'मतभेद' के कारण शायद गोयल को पद छोड़ना पड़ा:
2. हमें चुनाव प्रचार के खर्च पर सीमा की आवश्यकता है:

**पर्यावरण:**

1. बेंगलुरु के जल संकट का संभावित समाधान:

**F. प्रीलिम्स तथ्य:**

1. गिग श्रमिक सामाजिक सुरक्षा, विनियमों की कमी से पीड़ित हैं: अध्ययन
2. मध्य प्रदेश के कूनों नेशनल पार्क में चीता ने 5 शावकों को जन्म दिया:
3. एक नई टोल संग्रहण प्रणाली की शुरुआत:
4. बिटकॉइन को नई सर्वकालिक ऊंचाई पर पहुंचाने वाले कारक कौन से हैं?
5. भारत में 7,396 गोल्डन लंगूर: सर्वेक्षण

**G. महत्वपूर्ण तथ्य:**

**आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।**

**H. UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:**

I. UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

**आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।**

**संपादकीय-द हिन्दू**

संपादकीय:

CEC के साथ 'मतभेद' के कारण शायद गोयल को पद छोड़ना पड़ा:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

राजव्यवस्था:

विषय: विभिन्न संवैधानिक पदों पर नियुक्ति, विभिन्न संवैधानिक निकायों की शक्तियां, कार्य और जिम्मेदारियां।

मुख्य परीक्षा: चुनाव आयुक्त का इस्तीफा और नियुक्ति प्रक्रिया।

अरुण गोयल के इस्तीफे की पृष्ठभूमि:

- लोकसभा चुनाव की घोषणा से एक सप्ताह पहले चुनाव आयुक्त अरुण गोयल ने अचानक अपने पद से इस्तीफा दे दिया।
- सूत्रों का कहना है कि पश्चिम बंगाल की यात्रा के दौरान गोयल और मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) राजीव कुमार के बीच मतभेद उभर कर सामने आए हैं।

कथित मतभेद और कार्य:

- कथित तौर पर गोयल ने कलह का संकेत देते हुए कुमार के साथ कोलकाता में एक संवाददाता सम्मेलन में भाग लेने से इनकार कर दिया।
- CEC ने गोयल के स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को उनकी दिल्ली वापसी का कारण बताया, जिससे गोयल के सहयोगी खंडन करते हैं।

### इस्तीफा प्रक्रिया और अटकलें:

- गोयल ने चुनावी तैयारियों पर गृह सचिव अजय कुमार भल्ला के साथ बैठक छोड़ दी और राष्ट्रपति को अपना इस्तीफा सौंप दिया।

### गोयल के इस्तीफे के कारणों को लेकर उठी अटकलें:

- सीईसी के साथ मतभेद, सरकारी प्रभाव, व्यक्तिगत कारण, या राजनीतिक महत्वाकांक्षाएँ।

### राजनीतिक प्रतिक्रियाएँ और चिंताएँ:

- विपक्षी दलों ने गोयल के इस्तीफे के पीछे के समय और उद्देश्यों पर सवाल उठाया, जिससे चुनावी संस्थानों की स्वतंत्रता के बारे में संदेह पैदा हो गया।
- विपक्ष ने चुनाव आयोग के राजनीतिकरण पर चिंता जताई है।

### नये चुनाव आयुक्त के लिए नियुक्ति प्रक्रिया:

- एक केंद्रीय मंत्री और लोकसभा में कांग्रेस के नेता सहित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली एक समिति रिक्तियों को भरने के लिए 15 मार्च तक बैठक करने वाली है।
- गोयल के अचानक इस्तीफे ने बैठक की तारीख को आगे बढ़ाने के प्रयासों के साथ नियुक्ति प्रक्रिया को तेज कर दिया है।
- कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल के नेतृत्व में एक खोज समिति राष्ट्रपति द्वारा अंतिम नियुक्ति से पहले उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट करेगी।
- नियुक्ति प्रक्रिया दिसंबर में पारित एक नए कानून का पालन करती है, जिसे पोल पैनल की स्वायत्तता के नुकसान के डर से पार्टियों के विरोध का सामना करना पड़ा।

### सारांश:

- आंतरिक कलह की अटकलों के बीच, चुनाव आयुक्त अरुण गोयल के अचानक इस्तीफे से

चुनाव आयोग की स्वतंत्रता और संभावित राजनीतिक प्रभावों पर सवाल उठने लगे हैं, जिससे रिक्तियों को भरने के लिए तेजी से प्रयास किए जा रहे हैं।

हमें चुनाव प्रचार के खर्च पर सीमा की आवश्यकता है:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

राजव्यवस्था:

विषय: जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की मुख्य विशेषताएं।

मुख्य परीक्षा: निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया के लिए चुनाव अभियान खर्च को विनियमित करने की आवश्यकता है।

विवरण:

- भारत में चुनाव अभियानों पर सरकारी खर्च एक विवादास्पद मुद्दा बन गया है, विशेष रूप से विज्ञापन अभियानों में सत्तारूढ़ दलों के प्रभुत्व के कारण।
- सर्वोच्च न्यायालय के दिशानिर्देशों के बावजूद, सरकारी विज्ञापन सत्तारूढ़ दलों के पक्ष में होते हैं, जिससे चुनावी खेल में बाधा आती है।

वर्तमान परिदृश्य:

- वित्त वर्ष 2018-19 और 2022-23 के बीच, केंद्र सरकार ने विज्ञापनों पर ₹ 3,020 करोड़ खर्च किए, जिसमें चुनावी वर्षों के दौरान उल्लेखनीय वृद्धि हुई।
- उम्मीदवारों के लिए चुनावी व्यय सीमा का अक्सर उल्लंघन किया जाता है, प्रमुख पार्टियाँ आधिकारिक सीमा से कहीं अधिक खर्च करती हैं।
- राजनीतिक दल अपेक्षाकृत कम व्यय की घोषणा करते हैं, जबकि रिपोर्टों से पता चलता है कि वर्ष 2019 के चुनावों के दौरान वास्तविक खर्च काफी अधिक था, जो बड़े पैमाने पर कॉर्पोरेट दान द्वारा वित्त पोषित था।

चुनौतियाँ एवं चिंताएँ:

- राजनीतिक चंदे की अपारदर्शिता और मतदाताओं को नकदी का वितरण चुनावी प्रक्रिया को कमजोर करता है।
- चुनावी बांड योजना को रद्द करने का सर्वोच्च न्यायालय का कदम कुछ पारदर्शिता मुद्दों को संबोधित करता है, लेकिन अधिकांश फंडिंग का कोई हिसाब नहीं है।
- चुनाव की लागत नाटकीय रूप से बढ़ने का अनुमान है, जिससे चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता को खतरा पैदा हो गया है।

### प्रस्तावित समाधान:

- अनुचित प्रभाव को रोकने के लिए किसी भी आम चुनाव से छह महीने पहले सरकारी विज्ञापनों पर प्रतिबंध लगा देना।
- उम्मीदवारों को पार्टियों की वित्तीय सहायता को निर्धारित व्यय सीमा के भीतर सीमित करने के लिए कानूनों में संशोधन करना।
- पार्टी व्यय पर एक सीमा लागू करें, जिसकी गणना प्रति उम्मीदवार व्यय सीमा को उम्मीदवारों की संख्या से गुणा करके की जाती है।
- चुनाव संबंधी मामलों को तेजी से निपटाने के लिए उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाएं, जो चुनावी मानदंडों के उल्लंघन के खिलाफ एक निवारक के रूप में कार्य करेगा।
- इन सुधारों को स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने और जनता पर अत्यधिक चुनाव खर्च के बोझ को कम करने में प्रभावी होने के लिए द्विदलीय राजनीतिक समर्थन की आवश्यकता है।

### सारांश:

- भारत में सरकारी खर्च और कॉर्पोरेट दान के कारण चुनाव अभियानों की बढ़ती लागत निष्पक्ष चुनावों को कमजोर कर रही है। प्रस्तावित सुधारों का उद्देश्य व्यय को विनियमित करना और पारदर्शिता को बढ़ावा देना है, लेकिन उनके कार्यान्वयन के लिए द्विदलीय समर्थन

महत्वपूर्ण है।

बेंगलुरु के जल संकट का संभावित समाधान:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

पर्यावरण:

विषय: संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और क्षरण।

मुख्य परीक्षा: बेंगलुरु के जल संकट का कारण और समाधान।

विवरण:

- बेंगलुरु की जनसंख्या वर्ष 2011 में 8.7 मिलियन से बढ़कर वर्ष 2021 में अनुमानित 12.6 मिलियन हो गई है, जिससे जल संसाधनों पर दबाव पड़ा है, विशेष रूप से विस्तारित परिधि में।
- मीठे पानी की कुल मांग लगभग 2,632 एमएलडी है, जो कावेरी और भूजल स्रोतों की संयुक्त आधिकारिक आपूर्ति से अधिक है।
- कावेरी जल का उपयोग बढ़कर 1,460 मिलियन लीटर प्रति दिन (एमएलडी) हो गया है, जो नुकसान के बाद केवल आधी मांग को पूरा करता है, जिसमें भूजल से अतिरिक्त 1,392 एमएलडी निकाला जाता है, जिससे पुनर्भरण-निष्कर्षण असंतुलन पैदा होता है।

वर्षा के बदलते पैटर्न और शहरीकरण का प्रभाव:

- विविध वर्षा पैटर्न, 2022 में औसत से ऊपर के स्तर और 2023 में कमी के कारण, भूजल की कमी बढ़ गई है, विशेष रूप से परिधीय क्षेत्रों को प्रभावित किया है।
- जल स्तर गिरने से बोरवेल विफल हो गए हैं, जबकि कई परिधीय क्षेत्रों में अभी भी पाइप से पानी की आपूर्ति नहीं हो पा रही है।

- शहरीकरण के कारण पानी की आपूर्ति के लिए झीलों और तालाबों पर ऐतिहासिक निर्भरता कम हो गई है, जिसके परिणामस्वरूप अतिक्रमण, झीलों का सूखना और उनके बीच संपर्क बाधित हो गया है, जिससे पानी की कमी और बाढ़ दोनों का खतरा बढ़ गया है।

### पारंपरिक जल स्रोतों और बुनियादी ढांचे का पुनर्मूल्यांकन:

- बेंगलुरु की झीलों और टैंक कभी महत्वपूर्ण जल स्रोतों के रूप में काम करते थे, लेकिन पाइप से पानी की आपूर्ति के आगमन के साथ उनका महत्व कम हो गया, जिससे उपेक्षा और अतिक्रमण हुआ।
- संचयन के माध्यम से वर्षा जल का दोहन करने के प्रयासों पर सीवेज प्रदूषण का प्रभाव पड़ा है, जिससे कई झीलों जल भंडारण या आपूर्ति के लिए अनुपयुक्त हो गई हैं।
- शहर की झील प्रणाली, जो कभी मुख्य रूप से मौसमी थी, अब ज्यादातर सीवेज से भरी बारहमासी झीलों से युक्त है, जो पुनर्वास और बहाली के प्रयासों की तत्काल आवश्यकता को उजागर करती है।

### अपशिष्ट जल को एक अप्रयुक्त संसाधन के रूप में उपयोग करना:

- अपशिष्ट जल एक महत्वपूर्ण संसाधन होने के बावजूद, बेंगलुरु के अपशिष्ट जल का केवल एक तिहाई बाहरी पुनः उपयोग के लिए उपचार से गुजरता है, जबकि बाकी प्रदूषण या अपवाह में योगदान देता है।
- कोलार, चिक्कबल्लापुर और देवनहल्ली जैसे पड़ोसी क्षेत्रों में भूजल और सतही जल स्रोतों को फिर से भरने के लिए उपचारित अपशिष्ट जल को पुनर्निर्देशित करने से मीठे पानी की खपत कम हो सकती है और पानी के कारण परेशानी में वृद्धि हो सकती है, खासकर कम वर्षा की अवधि के दौरान।

### निष्कर्ष:



- इन परस्पर जुड़े मुद्दों को संबोधित करके और अपशिष्ट जल के पुनः उपयोग और झील की बहाली जैसी स्थायी जल प्रबंधन रणनीतियों को प्राथमिकता देकर, बेंगलुरु अपने जल संकट को कम कर सकता है और भविष्य के लिए अधिक लचीला जल बुनियादी ढांचा तैयार कर सकता है।

#### **सारांश:**

- तेजी से शहरीकरण और वर्षा के बदलते पैटर्न के कारण बेंगलुरु को जल संकट का सामना करना पड़ रहा है। बढ़ती मांग के बावजूद पारंपरिक जलस्रोत कम होते जा रहे हैं। स्थायी जल प्रबंधन और समायोजित करने की क्षमता के लिए अपशिष्ट जल का दोहन और झीलों का जीर्णोद्धार महत्वपूर्ण है।

#### **प्रिलिम्स तथ्य:**

##### **1. गिग श्रमिक सामाजिक सुरक्षा, विनियमों की कमी से पीड़ित हैं: अध्ययन**

#### **संदर्भ:**

- आठ प्रमुख भारतीय शहरों में किए गए एक हालिया अध्ययन में ऐप-आधारित कैब ड्राइवरों और डिलीवरी करने वाले व्यक्तियों (ग्राहकों द्वारा ऑनलाइन सामान बुक करने पर खाना या अन्य सामान वितरित करने वाले व्यक्ति) द्वारा सामना की जाने वाली कठिन कामकाजी परिस्थितियों पर प्रकाश डाला गया है।

#### **मुद्दा:**

- अध्ययन के अनुसार, लगभग एक-तिहाई ऐप-आधारित कैब चालक प्रतिदिन 14 घंटे से अधिक मेहनत करते हैं, जिसमें से 83% से अधिक 10 घंटे से अधिक समय तक मेहनत करते हैं।
- चौंकाने वाली बात यह है कि 60% ड्राइवर 12-घंटे की सीमा को पार कर जाते हैं, जो लंबे समय तक काम करने की व्यापक संस्कृति का संकेत देता है।

- सामाजिक असमानताएं स्थिति को और खराब कर देती हैं, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के ड्राइवरों की अनुपातहीन संख्या अनारक्षित श्रेणियों के उनके समकक्षों की तुलना में अधिक समय तक टिकती है।
- कई ऐप-आधारित श्रमिकों की कमाई निराशाजनक रूप से कम रहती है, जिसमें 43% खर्चों को काटने के बाद प्रति दिन ₹ 500 से कम कमाते हैं।

#### **महत्व:**

- अध्ययन में तत्काल हस्तक्षेप, मजबूत सामाजिक सुरक्षा उपायों की वकालत और प्लेटफार्मों द्वारा नियोजित एल्गोरिदम और निगरानी तंत्र की निष्पक्षता पर सरकारी निगरानी की मांग की गई है।
- यह सड़क दुर्घटनाओं के जोखिम और अनिश्चित रोजगार के मानसिक नुकसान सहित स्वास्थ्य और सुरक्षा संबंधी चिंताओं को दूर करने की तत्काल आवश्यकता पर भी प्रकाश डालता है।

#### **2. मध्य प्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में चीता ने 5 शावकों को जन्म दिया:**

#### **संदर्भ:**

- मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले में स्थित कूनो नेशनल पार्क में चीता गामिनी ने पांच शावकों को जन्म दिया। भारत में चीतों की आबादी अब कुल 26 तक पहुँच गई है।

#### **सम्बन्धित जानकारी:**

- पांच वर्षीय मादा चीता गामिनी को भारत की महत्वाकांक्षी चीता पुनर्वास परियोजना (cheetah reintroduction project) के हिस्से के रूप में दक्षिण अफ्रीका के त्वालु कालाहारी रिजर्व (Tswalu Kalahari Reserve) से लाया गया था।
- देश में अब 13 चीता शावकों के जन्म के साथ, चीतों की आबादी को फिर से बढ़ाने और बढ़ाने के प्रयासों के आशाजनक परिणाम दिख रहे हैं।

#### **महत्व:**

- यह विकास ठोस संरक्षण प्रयासों के महत्व को रेखांकित करता है और भारत के जंगल में इस शानदार प्रजाति के पुनरुत्थान की आशा का प्रतीक है।

### 3. एक नई टोल संग्रहण प्रणाली की शुरुआत:

#### संदर्भ:

- भारत सरकार वैश्विक नेविगेशन उपग्रह प्रौद्योगिकी पर आधारित एक अत्याधुनिक प्रणाली की शुरुआत के साथ राजमार्ग टोल संग्रह में क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए तैयार है।

#### सम्बन्धित जानकारी:

- सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने 2024 चुनाव की आदर्श आचार संहिता प्रभावी होने से पहले इस अभिनव प्रणाली को लागू करने की योजना की घोषणा की है।
- इस प्रणाली के अंतर्गत, वाहन ऑन-बोर्ड यूनिट्स (OBU) से लैस होंगे जो सटीक मैपिंग और टोल गणना के लिए भारतीय उपग्रह नेविगेशन प्रणाली, गगन का उपयोग करते हैं।
- राजमार्गों के किनारे सीसीटीवी कैमरे लगे गैन्ट्री वाहन पंजीकरण प्लेटों को कैप्चर करके अनुपालन लागू करेंगे।
- अनुपालन न करने वाले वाहनों से टोल वसूली और गोपनीयता संबंधी चिंताएँ जैसी चुनौतियाँ बनी हुई हैं।

#### महत्व:

- उम्मीद है कि नई प्रणाली FASTag-आधारित टोल संग्रह के साथ-साथ मौजूद रहेगी, जो संभावित लागत बचत और परिचालन क्षमता प्रदान करेगी।
- यह तकनीकी छलांग बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण और अपने नागरिकों के लिए परिवहन प्रणालियों में सुधार के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

#### 4. बिटकॉइन को नई सर्वकालिक ऊंचाई पर पहुंचाने वाले कारक कौन से हैं?

##### संदर्भ:

- बाजार पूंजीकरण के मामले में सबसे अग्रणी क्रिप्टोकॉरेसी बिटकॉइन एक नई सर्वकालिक ऊंचाई पर पहुंच गई है।

##### समबन्धित जानकारी:

- बिटकॉइन की हालिया कीमत वृद्धि में विभिन्न कारकों का योगदान हो सकता है।
- वर्ष 2022 में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद और LUNA/UST जैसी क्रिप्टोकॉरेसी और FTX जैसे ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के पतन ने बाजार में सुधार को प्रेरित किया।
- अमेरिकी प्रतिभूति और विनियम आयोग (एसईसी) द्वारा बिटकॉइन के लिए पहले स्पॉट एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) की मंजूरी ने पारंपरिक निवेशकों को आकर्षित करते हुए बढ़ती नियामक स्वीकृति का संकेत दिया है।
- अप्रैल में होने वाले आगामी बिटकॉइन हॉलिंग कार्यक्रम को लेकर निवेशकों की प्रत्याशा से भी कीमतों में उछाल आया है।
- लगभग हर चार साल में होने वाली कटौती से क्रिप्टोक्यूरेंसी माइनिंग का प्रतिफल आधा हो जाता है, जिससे इनकी कमी हो जाती है और संभावित रूप से कीमतें बढ़ जाती हैं।

##### महत्व:

- क्रिप्टोकॉरेसी परिदृश्य अस्थिर बना हुआ है, जो नए निवेशकों के लिए सावधानी के महत्व पर बल देता है। बिटकॉइन की हालिया कीमत में उतार-चढ़ाव क्रिप्टोकॉरेसी निवेश में निहित तीव्र धन उतार-चढ़ाव की याद दिलाता है।

#### 5. भारत में 7,396 गोल्डन लंगूर: सर्वेक्षण

### संदर्भ:

- प्राइमेट रिसर्च सेंटर एनई इंडिया और SACON सहित कई संगठनों द्वारा किए गए एक हालिया सर्वेक्षण ने भारत में गोल्डन लंगूरों की आबादी पर प्रकाश डाला है।

### समबन्धित जानकारी:

- दो चरणों में हुए इस अध्ययन में असम के विभिन्न वन अभ्यारण्यों और राष्ट्रीय उद्यानों में अनुमानित 7,396 गोल्डन (सुनहरे) लंगूरों का पता चला है।
- ब्लॉक काउंट पद्धति का उपयोग करते हुए, शोधकर्ताओं ने लंगूरों का सावधानीपूर्वक अवलोकन किया और उत्तरी और दक्षिणी टुकड़ों में विभाजित अलग-अलग आबादी की पहचान की।
- इस सर्वेक्षण में मानवजनित अंतःक्रियाओं के कारण प्राइमेट्स द्वारा सामना किए जाने वाले संभावित खतरों को कम करने के लिए खंडित आवासों के बीच गलियारे को जोड़ने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया है।
- जनसंख्या का अनुमान संरक्षण प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जबकि सर्वेक्षण ने लंगूरों के खंडित आवासों में एक अस्थिर स्थिति को भी रेखांकित किया है।

### महत्व:

- पिछले अनुमानों की तुलना में औसत समूह के आकार के साथ, इन लुप्तप्राय नरवानरों की रक्षा के प्रयास तेजी से महत्वपूर्ण हो जाते हैं, जो भारत में गोल्डन (सुनहरे) लंगूरों के अस्तित्व को सुनिश्चित करने के लिए आवास संरक्षण और गलियारों को जोड़ने की पहल के महत्व पर जोर देते हैं।

### महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

**प्रश्न 1. भारत के चुनाव आयुक्त (EC) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. भारत के चुनाव आयुक्त की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।
2. भारत के चुनाव आयुक्त मुख्य चुनाव आयुक्त को अपना त्याग पत्र सौंपकर इस्तीफा दे सकते हैं।
3. भारत के चुनाव आयोग में केवल 3 चुनाव आयुक्त हो सकते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) केवल 2 और 3
- (d) 1, 2 और 3

**उत्तर: a**

**प्रश्न 2. भारत में चीता पुनर्वास परियोजना (Cheetah reintroduction project) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. इस परियोजना का उद्देश्य एशियाई चीता, जो भारत का मूल निवासी है, को कुनो राष्ट्रीय उद्यान में फिर से लाना है।
2. इस परियोजना का उद्देश्य एशियाई चीता का फिर से पुनर्वास करना है, जिसे IUCN रेड लिस्ट द्वारा "गंभीर रूप से लुप्तप्राय" (critically endangered) के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
3. चीतों को राजस्थान में स्थित कुनो राष्ट्रीय उद्यान में पुनः लाया गया है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) केवल 3
- (d) केवल 1 और 3

**उत्तर: b**

**प्रश्न 3. भारत में गिग श्रमिकों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. गिग श्रमिकों को आम तौर पर स्वास्थ्य बीमा और सवैतनिक अवकाश जैसे लाभों के साथ पूर्णकालिक नियोजित किया जाता है।
2. गिग इकॉनमी का अभ्युदय मुख्य रूप से फ्रीलांस प्लेटफार्मों की उपलब्धता से प्रेरित है जो श्रमिकों को ग्राहकों से जोड़ता है।
3. गिग श्रमिक आमतौर पर पारंपरिक कर्मचारियों की तुलना में उच्च नौकरी सुरक्षा और आय स्थिरता का आनंद लेते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2
- (c) केवल 1 और 3
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: b

**प्रश्न 4. भारत में पेयजल संकट के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. खराब वर्षा जल संचयन तंत्र शहरी क्षेत्रों में जल संकट को बढ़ाते हैं।
2. भूजल संसाधनों का अत्यधिक दोहन इस संकट में योगदान देने वाला एक प्रमुख कारक है।
3. तटीय क्षेत्रों में पेयजल की कमी को दूर करने के लिए विलवणीकरण एक व्यवहार्य समाधान है।

निम्नलिखित कथनों में से कौन सही है?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) उपरोक्त सभी

उत्तर: d

**प्रश्न 5. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**



1. मनुष्यों द्वारा बनाए गए नैनोकणों के अलावा, प्रकृति में कोई नैनोकण मौजूद नहीं है।
2. कुछ धात्विक ऑक्साइड के नैनोकणों का उपयोग कुछ सौंदर्य प्रसाधनों के निर्माण में किया जाता है।
3. कुछ वाणिज्यिक उत्पादों के नैनोकण जो पर्यावरण में प्रवेश करते हैं, मनुष्यों के लिए असुरक्षित होते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 3
- (c) केवल 1 और 2
- (d) केवल 2 और 3

उत्तर: d

### UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

**प्रश्न 1. “भारत के चुनाव आयोग की स्वायत्तता और कार्यप्रणाली पर एस.एस. धनोआ बनाम भारत संघ मामले के निहितार्थ पर चर्चा कीजिए। विश्लेषण कीजिए कि यह फैसला मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों के बीच संबंधों और भारत में लोकतांत्रिक शासन के लिए व्यापक निहितार्थों को किस प्रकार प्रभावित करता है।” (10 अंक, 150 शब्द) [जीएस-2, राजव्यवस्था]**

(“Discuss the implications of the S.S. Dhanoa vs Union of India case on the autonomy and functioning of the Election Commission of India. Analyze how the verdict affects the relationship between the Chief Election Commissioner and other Election Commissioners, and the broader implications for democratic governance in India.” (10 marks, 150 words) [GS-2, Polity])

**प्रश्न 2. तेजी से शहरीकरण और संबंधित चुनौतियों पर विचार करते हुए, बेंगलुरु में झीलों की घटती संख्या के सामाजिक-आर्थिक और पर्यावरणीय प्रभावों की जांच कीजिए। (15 अंक, 250 शब्द)**

**[जीएस-3, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण]** (Examine the socio-economic and environmental implications of the declining number of lakes in Bengaluru, considering the rapid urbanization and associated challenges. (15 marks, 250 words) [GS-3, Ecology and Environment])



(नोट: मुख्य परीक्षा के अंग्रेजी भाषा के प्रश्नों पर क्लिक कर के आप अपने उत्तर **BYJU'S** की वेब साइट पर अपलोड कर सकते हैं।)

